रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

नैक "ए" प्लस प्लस ग्रेड हासिल करना है हमारी प्राथमिकता– कुलपति प्रो. मिश्र

नैक मूल्यांकन मानदंड की बारीकियों, जागरूकता पर 7 दिवसीय ऑनलाईन कार्यशाला का शुभारंभ

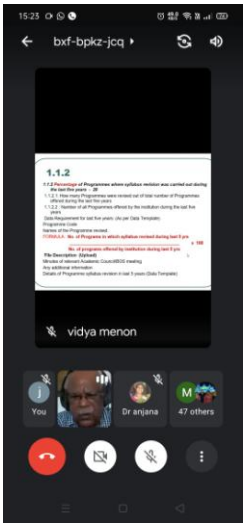

जबलपुर 19 जनवरी। नैक मूल्यांकन में सर्वोत्तम प्रदर्शन हमारी प्राथमिकता है। नैक "ए" प्लस प्लस ग्रेड हासिल करने के लिए नैक द्वारा निर्धारित पैरामीटर के सभी बिन्दुओं पर हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उपरोक्त संदेश माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को नैक मूल्यांकन मानदंड की बारीकियों, जागरूकता पर आयोजित 7 दिवसीय ऑनलाईन कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

रादविवि नैक मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा "राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नैक के मूल्यांकन मानदंड की बारीकियों को समझना" विषय पर 19 जनवरी, 2021 से 26 जनवरी, 2021 तक 7 दिवसीय ऑनलाईन कार्यशाला का आयोजन किया गया जा रहा है। आयोजित ऑनलाईन कार्यशाला के प्रथम दिवस मुख्य वक्ता के रूप में विशेषज्ञ डॉ. एमआर कुरुप, मुम्बई ने नैक मानदंड–1 पाठ्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पाठ्यचर्या पहलू किसी भी शैक्षणिक संस्थान का मुख्य आधार हैं। तथापि, इस संबंध में विभिन्न उच्चतर शिक्षा संस्थानों का उत्तरदायित्व भिन्न हो सकता है जो उनके प्रशासनिक स्थायित्व पर निर्भर करता है। मानदंड 1 व्यापक कार्यक्रम विकल्प तथा पाठ्यक्रमों को आरंभ करने हेतु संस्थान की पद्धति से संबंधित हैं जोकि उभरते हुए राष्ट्रीय तथा वैश्विक सम्मानों के अनुरूप हों तथा स्थानीय आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक है। इसमें विविधता तथा शैक्षिक नम्यता के मुद्दों के अलावा, वृत्ति अभिविन्यास, बहु–कौशल विकास, प्रतिक्रिया प्रणाली तथा पाठ्यक्रम को अद्यतन करने में हितधारकों की भागीदारी को भी आंका जाता है।

नैक प्रोफार्मा के प्रत्येक कॉलम की जानकारी और डाटा अनिवार्य–

डॉ. कुरुप ने ऑनलाईन कार्यशाला में बताया कि नैक द्वारा संशोधन प्रक्रिया में मुख्य बल इस बात पर दिया गया है कि प्रत्यायन प्रक्रिया के श्रेष्ठ गुणों में वृद्धि की जाए और उन्हें अधिक सुदृढ़, वस्तुपरक, पारदर्शी और मापनीय होने के साथ–साथ सक्षम बनाना है। नैक द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा के प्रत्येक कॉलम में जानकारी सावधानीपूर्वक भरना है और सम्बंधित डाटा और डाटा लिंक भी उपलब्ध कराते हुए सम्बंधित दस्तावेजों का प्रदर्शन भी करना है। इसमें महत्वूपर्ण पक्ष यह है कि विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की दृष्टि से सक्षम बनाने में कितने सहायक हैं।

प्रश्नों के माध्यम से समाधान के प्रयास–

नैक मूल्यांन पर आधारित ऑनलाईन कार्यशाला में विवि प्राध्यापक प्रो. ममता राव, प्रो. राजेश्वरी राणा, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, श्री अश्विनी जायसवाल आदि ने प्रश्नों के माध्यम से नैक मूल्यांकन के विविध बिन्दुओं की बारीकियों पर चर्चा की जिसपर विशेषज्ञ डॉ. एमआर कुरुप ने बताया कि संशोधित मूल्यांकन और प्रत्यायन ढांचे में आमूल परिवर्तन कर इसे निष्पक्ष, पारदर्शी, मापनीय और सुदृढ़ बनाया गया है। इसमें आंकड़े पर आधारित परिमाणात्मक सूचक मूल्यांकन की दिशा में परिवर्तन किया गया है जिसमें निष्पक्षता तथा पारदर्शिता में वृद्धि की गई है। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा ने किया। इस अवसर पर विवि कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा सहित सभी आचार्यगण, अधिकारी एवं अतिथि विद्वान उपस्थित रहे।